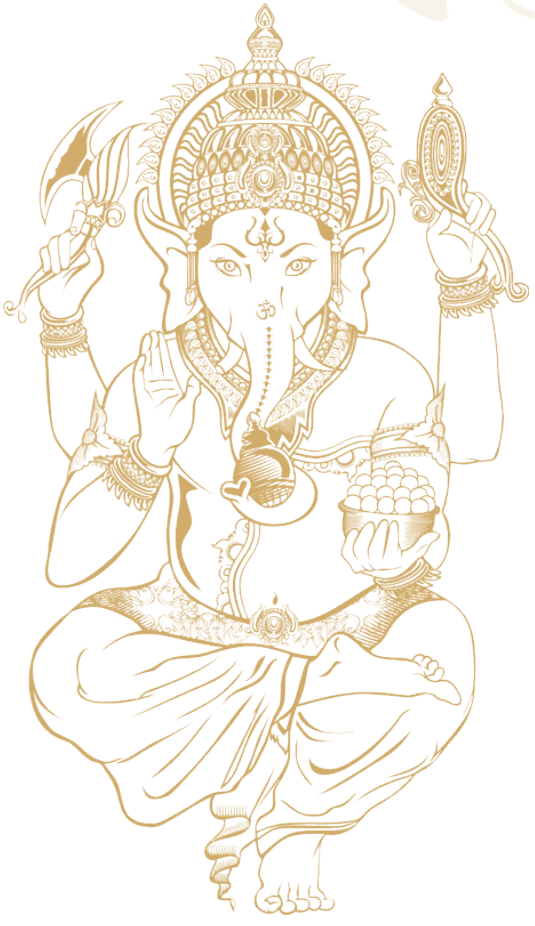

# Mr.sujal kumar

11 Nov 2011

05:30 AM

Bhagalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121766902

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **10-11/11/2011** |
| दिन | गुरु-शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **05:30:00 घंटे** |
| इष्ट | 58:56:23 घटी |
| **स्थान** | **Bhagalpur** |
| राज्य | Bihar |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 25:14:00 उत्तर |
| रेखांश | 86:59:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:17:56 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 05:47:56 घंटे |
| वेलान्तर | 00:16:10 घंटे |
| साम्पातिक काल | 09:07:06 घंटे |
| सूर्योदय | 05:55:26 घंटे |
| सूर्यास्त | 16:56:24 घंटे |
| दिनमान | 11:00:57 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | हेमन्त |
| सूर्य के अंश | 24:12:42 तुला |
| लग्न के अंश | 17:44:52 तुला |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | तुला - शुक्र |
| **राशि-स्वामी** | **मेष - मंगल** |
| **नक्षत्र-चरण** | **भरणी - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| योग | वरियान |
| करण | बालव |
| गण | मनुष्य |
| योनि | गज |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | चतुष्पाद |
| वर्ग | मृग |
| युँजा | पूर्व |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | लो-लोकेश |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - स्वर्ण |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृश्चिक |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | तुला | 17:44:52 | 315:29:12 | स्वाति | 4 | 15 | शुक्र | राहु | सूर्य | --- |
| सूर्य | | | तुला | 24:12:42 | 01:00:17 | विशाखा | 2 | 16 | शुक्र | गुरु | बुध | नीच राशि |
| चंद्र | | | मेष | 25:54:40 | 11:56:24 | भरणी | 4 | 2 | मंगल | शुक्र | केतु | सम राशि |
| मंगल | | | सिंह | 05:53:01 | 00:30:17 | मघा | 2 | 10 | सूर्य | केतु | राहु | मित्र राशि |
| बुध | | | वृश्चि | 16:31:53 | 01:09:30 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | गुरु | सम राशि |
| गुरु | व | | मेष | 09:32:36 | 00:07:36 | अश्विनी | 3 | 1 | मंगल | केतु | शनि | मित्र राशि |
| शुक्र | | | वृश्चि | 16:41:54 | 01:14:32 | ज्येष्ठा | 1 | 18 | मंगल | बुध | बुध | सम राशि |
| शनि | | | कन्या | 29:31:24 | 00:06:53 | चित्रा | 2 | 14 | बुध | मंगल | शनि | मित्र राशि |
| राहु | व | | वृश्चि | 20:18:54 | 00:02:44 | ज्येष्ठा | 2 | 18 | मंगल | बुध | शुक्र | शत्रु राशि |
| केतु | व | | वृष | 20:18:54 | 00:02:44 | रोहिणी | 4 | 4 | शुक्र | चंद्र | केतु | सम राशि |
| हर्ष | व | | मीन | 06:58:08 | 00:01:24 | उ०भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | बुध | --- |
| नेप | | | कुंभ | 04:06:38 | 00:00:03 | धनिष्ठा | 4 | 23 | शनि | मंगल | शुक्र | --- |
| प्लूटो | | | धनु | 11:37:38 | 00:01:35 | मूल | 4 | 19 | गुरु | केतु | बुध | --- |
| दशम भाव | | | कर्क | 20:17:12 | -- | आश्लेषा | -- | 9 | चंद्र | बुध | शुक्र | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:37

## लग्न-चलित

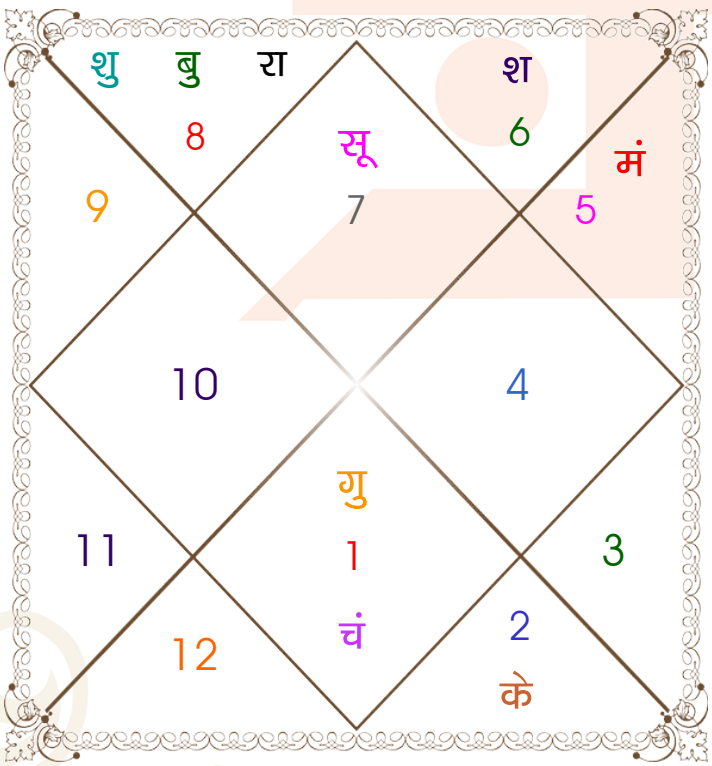


## चन्द्र कुंडली

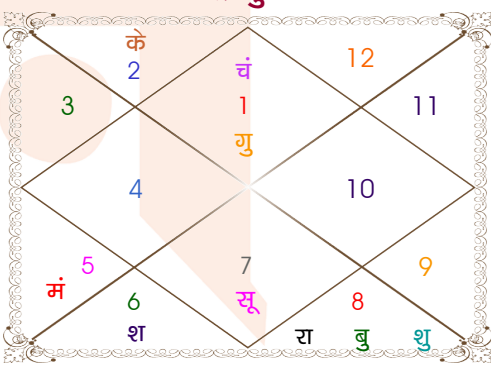


## नवमांश कुंडली

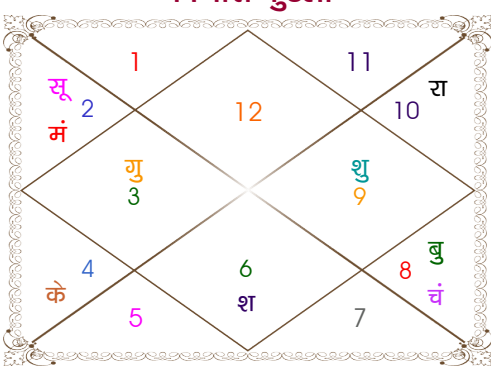

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 1 मास 18 दिन

| शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 11/11/2011 | | 29/12/2012 | | 29/12/2018 | | 29/12/2028 | | 29/12/2035 | |
| 29/12/2012 | | 29/12/2018 | | 29/12/2028 | | 29/12/2035 | | 29/12/2053 | |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 17/04/2013 | चंद्र | 30/10/2019 | मंगल | 27/05/2029 | राहु | 11/09/2038 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 17/10/2013 | मंगल | 30/05/2020 | राहु | 14/06/2030 | गुरु | 03/02/2041 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 22/02/2014 | राहु | 29/11/2021 | गुरु | 21/05/2031 | शनि | 11/12/2043 |
| | 00/00/0000 | राहु | 16/01/2015 | गुरु | 31/03/2023 | शनि | 29/06/2032 | बुध | 30/06/2046 |
| | 00/00/0000 | गुरु | 05/11/2015 | शनि | 29/10/2024 | बुध | 26/06/2033 | केतु | 18/07/2047 |
| | 00/00/0000 | शनि | 17/10/2016 | बुध | 30/03/2026 | केतु | 22/11/2033 | शुक्र | 18/07/2050 |
| | 00/00/0000 | बुध | 23/08/2017 | केतु | 29/10/2026 | शुक्र | 23/01/2035 | सूर्य | 12/06/2051 |
| | 11/11/2011 | केतु | 29/12/2017 | शुक्र | 29/06/2028 | सूर्य | 30/05/2035 | चंद्र | 10/12/2052 |
| केतु | 29/12/2012 | शुक्र | 29/12/2018 | सूर्य | 29/12/2028 | चंद्र | 29/12/2035 | मंगल | 29/12/2053 |

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 29/12/2053 | | 29/12/2069 | | 29/12/2088 | | 30/12/2105 | | 30/12/2112 | |
| 29/12/2069 | | 29/12/2088 | | 30/12/2105 | | 30/12/2112 | | 12/11/2131 | |
| गुरु | 16/02/2056 | शनि | 01/01/2073 | बुध | 27/05/2091 | केतु | 28/05/2106 | शुक्र | 30/04/2116 |
| शनि | 29/08/2058 | बुध | 11/09/2075 | केतु | 24/05/2092 | शुक्र | 28/07/2107 | सूर्य | 30/04/2117 |
| बुध | 04/12/2060 | केतु | 20/10/2076 | शुक्र | 24/03/2095 | सूर्य | 03/12/2107 | चंद्र | 30/12/2118 |
| केतु | 10/11/2061 | शुक्र | 20/12/2079 | सूर्य | 29/01/2096 | चंद्र | 03/07/2108 | मंगल | 29/02/2120 |
| शुक्र | 11/07/2064 | सूर्य | 01/12/2080 | चंद्र | 29/06/2097 | मंगल | 29/11/2108 | राहु | 01/03/2123 |
| सूर्य | 29/04/2065 | चंद्र | 03/07/2082 | मंगल | 27/06/2098 | राहु | 18/12/2109 | गुरु | 30/10/2125 |
| चंद्र | 29/08/2066 | मंगल | 11/08/2083 | राहु | 14/01/2101 | गुरु | 24/11/2110 | शनि | 30/12/2128 |
| मंगल | 05/08/2067 | राहु | 17/06/2086 | गुरु | 22/04/2103 | शनि | 02/01/2112 | बुध | 31/10/2131 |
| राहु | 29/12/2069 | गुरु | 29/12/2088 | शनि | 30/12/2105 | बुध | 30/12/2112 | केतु | 12/11/2131 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 1 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।